

III Semester B.Com. Examination, October/November 2012

(F+R Scheme) (2010-11 and Onwards)

(Semester Scheme)

LANGUAGE HINDI (Paper - III)

Upanyas, Nibandh, Sankshiptikaran

Time : 3 Hours

Max. Marks : 90/100

- Instructions :** 1) *Questin No. VI is compulsory for 2012-13 Batch.*
 2) **100 marks for Fresh students of 2012-13 Batch & onwards.**
 3) **90 marks for Repeater students prior to 2012-13.**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द, वाक्यांश या वाक्य में लिखिए : (10×1=10)

- १) पवन पाण्डे ने कौन-सी डिग्री हासिल की थी ?
- २) पवन पाण्डे कौन-से यूनिट में प्रशिक्षु सहायक मैनेजर बना ?
- ३) आई.आई. एम. जाने के लिए श्री ह्वीलर (ह्वीलर) वाले ने शरद से कितने रूपये माँगे ?
- ४) रोजविन्दर कौर किस विषय पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर रही थी ?
- ५) जी.जी.सी. एल का दफ्तर कहाँ है ?
- ६) जलराम बाबा का शक्तिपीठ कहाँ था ?
- ७) अभिषेक किस विज्ञापन कम्पनी में काम करता था ?
- ८) स्टैला की कंपनी गुर्जर गैस कम्पनी को क्या सप्लाई करती थी ?
- ९) पवन के घर में कौन खाना बनाता था ?
- १०) सोनी साहब के बेटे का नाम क्या है ?

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×14=28)

- १) “माँ जब ओन लायक हो जाऊँगा तभी आऊँगा” इस वाक्य के आधार पर युवापीढ़ी के बदलते विचारों तथा पारिवारिक कर्तव्यों से भागने की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालिए।
- २) परिवार का संतुलन बनाए रखनेवाले राकेश का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- ३) ‘दौड़’ का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।



III. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (2×7=14)

- १) रेखा और स्टैला की पहली भेंट।
- २) तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- ३) स्टैला और पवन की शादी।

IV. किन्हीं दो पर निबंध लिखिए : (2×14=28)

- १) आर्थिक मंदी।
- २) भूमंडलीकरण।
- ३) कर।

V. निम्नलिखित परिच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए : 10

कुटीर उद्योग चलाने में बहुत कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गाँव में कच्चा माल नहीं मिल रहा है। उद्योग कर्तव्यों को अपने गाँव से दूर दूर भटकना पड़ रहा है जिससे खर्च बढ़ रहा है। लोगों के पास पूंजी नहीं है। भले ही इसके लिए ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं है फिर भी गरीबों के पास उतना भी नहीं है जिससे उद्योग का आरंभ किया जा सके। कुटीर उद्योग से प्रस्तुत सामग्री उपभोक्ता तक पहुँच नहीं पा रही है। परिवहन की असुविधा और खर्चीली साधन के कारण सामग्री का बिकना कठिन हो जाता है। दिनों दिन करों का भार बढ़ रहा है जिसके कारण उद्योग में लाभांश कम होता जा रहा है। गाँव में उद्योग तो है पर लोगों को व्यावहारिक शिक्षा नहीं मिली है परिणामतः नये नये ढंग से वस्तुओं का निर्माण संभव नहीं हो पा रहा है। गाँव के लोग अपनी पुरानी परंपरा छोड़ने को तैयार नहीं दो रहे हैं जिसके कारण आज के समय की मांग के हिसाब से वस्तुएँ नहीं मिल पा रही है।

वस्तुतः देश की आबादी और आर्थिक स्थिति को देखकर लगता है कि कुटीर उद्योग के विकास से ही देश का विकास संभव है। यह हमारे आर्थिक विकास की नींव है।

Note : Compulsory question for 2012-13 students :

सूचना : २०१२-१३ विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य प्रश्न:

VI. किसी एक का चरित्र-चित्रण कीजिए : 10

- १) पवन
- २) शुक्ल